वर्ष : 2 अंक-5 (फरवरी-अप्रैल 2015)

ISSN 2347-6605

तमसो मा ज्योतिर्गमय

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं विचार की
अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध-पत्रिका

AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

www.vaaksudha.com

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 6

रघुवंश के कृदन्त विषयक अपाणिनीय प्रयोग 7
डॉ. अजित कुमार

मधुकर सिंह की कहानियों में निम्नवर्ग 12
सीमा कुमारी

संस्कृत उपन्यास 'सिंधुकन्या' में इतिहास-बोध 15
दुर्गेश कुमारी

द्वैत-वेदान्त में अस्वतन्त्र तत्त्व 19
डॉ. राजेश कुमार

समकालीन कविता में मनुष्य का बिंब 24
शिखा

स्वातंत्र्योत्तर कहानी साहित्य में नरेश मेहता का योगदान 27
डॉ. सीमा गौतम

धार्मिक नीति और नैतिकता : एक मूल्यांकन 30
देव कान्त मिश्रा

संस्कृत-कथा की युगीन परम्परा 34
वन्दना रावल

'युद्ध' कहानी में अभिव्यक्त मुस्लिम मानस 37
शिखा

संस्कृत वाङ्मय में योग एवं प्राणायाम विज्ञान 40
सचिन कुमार

वाक्य की अवधारणा ''भर्तृहरि कृत विश्लेषण'' 43
रेखा सिंह

अपराध एवं दण्ड-व्यवस्था (अग्निपुराण के विशेष संदर्भ में) 48
सुचिता यादव

संस्कृत वाङ्मय में स्त्री सशक्तीकरण 54
डा. दिलीप कुमार झा

स्वामी विवेकानन्द के सपनों का भारत 58
डॉ. राम किशोर यादव

ब्राह्मण ग्रन्थों में विविध पशु विवेचन 60
सुमन आर्या

फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में मानवतावाद 63
डॉ. सीमा गौतम

इतिहास निर्माण के संदर्भ में चारण साहित्य परंपरा : एक विश्लेषण 66
ईश्वर दान

पञ्चाङ्ग निर्माण की पृष्ठभूमि - काल सम्प्रत्यय 72
डॉ. कान्ता

ब्रह्मवैवर्तपुराणवर्णित प्रमुख नदियों का सांस्कृतिक अध्ययन 76
मधुकर मिश्र

वास्तुशास्त्र में भूमि परीक्षण की विधियाँ 78
रजनी

राष्ट्रभाषा और भाषायी संवेदनहीनता 81
डॉ. परमानन्द शर्मा

आधुनिक हिंदी आलोचना का प्रारंभ और भारतेंदु का योगदान 86
डॉ. अरुण कुमार भारद्वाज

प्रेमचंद के उपन्यासों में यथार्थवाद एवं आदर्शवाद 90
दीपा गर्ग

मुगल कालीन नारी : फ्रांसिस्को पैलसर्ट एक अध्ययन 93
राकेश कुमार

सुनीता जैन के काव्य में नारी संघर्ष 97
दीपा गर्ग

रीतिकाव्य की प्रासंगिकता 101
सुमिता त्रिपाठी

साहित्यों में लोक जीवन की प्रासंगिकता 106
अम्बिका सिद्धार्थ

भूतकालिक लकार 108
रामेश्वर

विभाजन की त्रासदी के संदर्भ में झूठा-सच अध्ययन 111
संदीप कुमार

पाणिनि विहित प्रातिपदिकों का हिन्दी भाषा में यथावत् प्रयोग (कामायनी के पदों का संग्रह एवं विश्लेषण) 114
रञ्जन लता

आधुनिक हिंदी काव्य में प्रकृति के सर्जनात्मक उपयोग की अवधारणा, महत्ता व सार्थकता 117
डॉ. विनोद कुमार चौबे

स्त्री अस्मिता-अतीत से वर्तमान तक 122
डॉ. हेमा सिंह

दिल्ली में जल की राजनीति 125
पवन कुमार

'एकांत के सौ वर्ष' और जादुई यथार्थवाद 128
गुड़िया कुमारी

प्रेमचंद की नज़र में हिन्दी फिल्म उद्योग 132
ललन कुमार

मोक्षावस्था में जीव की स्थिति 137
डॉ. विमलेश कुमार ठाकुर

अलंकार सिद्धान्त परम्परा का उद्भव एवं विकास 141
डा. कुमुद रानी गर्ग

वायु प्रदूषण और मानव अधिकार 144
पवन कुमार

हिंदी काव्य में प्रकृति के सर्जनात्मक उपयोग की दशा और दिशा 147
डॉ. विनोद कुमार चौबे

दलित और भारतीय संविधान 152
डॉ. तुंगनाथ मौआर

योग दर्शन में वर्णित सामाजिक आचार-विचार 155
डॉ. अनुज कुमार

स्त्री छवि का बदलता संसार और हिंदी फिल्में 158
किरन नेगी

मीमांसा दर्शन में अध्ययन विधि-विचार 160
प्रीति पाण्डेय एवं सरिता दुबे

भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक कबीर एवं उनकी प्रासंगिकता 162
कामिनी कुमारी

अन्धकार का विवेचन 166
राजेश कुमार मिश्र

वेदों में प्रहेलिका शैली एक अध्ययन 169
डॉ. यशदेव शास्त्री

गणितशास्त्र के विकास में भारतीय ज्योतिषशास्त्र का अवदान 172
डॉ. प्रियङ्का जैन

जीव की वेदांतिक अवधारणा 175
डॉ. विमलेश कुमार ठाकुर

केशव का कवि मन और उनके काव्य का मर्म 179
किरन नेगी